Resource: अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

License Information

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

RUT

रूत1:1–22, रूत2:1–23, रूत3:1–4:22

रूत 1:1–22

रूत की कहानी तब घटित हुई जब 12 न्यायाधीश इस्राएल की अगुवाई कर रहे थे। इस अवधि का वर्णन न्यायियों की पुस्तक में किया गया है। यह उस समय से पहले की बात है जब इस्राएल राष्ट्र की अगुवाई राजाओं द्वारा की जाती थी । रूत की कहानी अगुवों या राजाओं के बारे में नहीं है। यह एक साधारण विनम्र परिवार में परमेश्वर के काम के बारे में है। नाओमी बैतलहम की एक इस्राएली थी। वह और उनका परिवार अपनी जमीन पर पर्याप्त भोजन नहीं उगा सके। इस्राएल में उनके क्षेत्र में कहीं भी पर्याप्त भोजन नहीं था। इसलिए नाओमी और उनके परिवार ने मोआब जाने का फैसला किया। फिर भी नाओमी के साथ कई दुखद घटनाएँ घटीं। मोआब में उसके पति और दो बेटों की मृत्यु हो गई। नाओमी को लगा कि परमेश्वर ने उसका जीवन कड़वा बना दिया है। जब वहां पर्याप्त भोजन था तो वह बैतलहम लौट आई। वह खाली महसूस करते हुए लौटी। इस तरह उसने अपने पति और बेटों के बिना जीवन का वर्णन किया। लेकिन उनकी बहू रूत उनके साथ गई। रूत ने अपने परिवार, अपने देश और अपने लोगों द्वारा पूजे जाने वाले झूठे देवताओं को छोड़ दिया। इस्राएल में, रूत को परदेसी माना जाता था क्योंकि वह मोआब से थी। फिर भी रूत नाओमी, इस्राएल के लोगों और परमेश्वर के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध थी।

रूत 2:1–23

नाओमी के परिवार के मोआब जाने से पहले, उनके पति के पास जमीन थी। लेकिन अब नाओमी के पास वह जमीन नहीं थी। उनके और रूत के पास खाने के लिए भोजन उगाने का कोई तरीका नहीं था। रूत उनके खाने के लिए भोजन इकट्ठा करने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार थी। इससे पता चलता है कि वह नाओमी के प्रति कितनी दयालु और प्रतिबद्ध थी। रूत ने एक सफल किसान जिनका नाम बोअज था, उनके खेतों में जौ इकट्ठा किया। वह यहूदा के गोत्र के एक इस्राएली थे जो बेतलेहेम में रहते थे। सफल किसानों को जरूरतमंद लोगों को अपने खेतों से भोजन इकट्ठा करने की अनुमति देनी चाहिए थी। मूसा की व्यवस्था ने इस प्रथा के बारे में लैव्यव्यवस्था 19:9–10 और व्यवस्थाविवरण 24:19–22 में बताया था। रूत को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि बोअज उनके प्रति कितना दयालु थे। मूसा के समय से, मोआब के लोगों को इस्राएल का पूर्ण हिस्सा बनने की अनुमति नहीं थी (व्यवस्थाविवरण 23:3–6)। इसका कारण यह था कि मोआबियों ने इस्राएलियों के लिए समस्याएं पैदा की थीं। उन्होंने ऐसा तब किया जब इस्राएली मिस्र से कनान की यात्रा कर रहे थे। लेकिन बोअज ने पहचाना कि रूत यहोवा के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध थी। उन्होंने समझा कि रूत ने भरोसा किया कि परमेश्वर उनकी देखभाल करेंगे। नाओमी ने महसूस किया कि वह किसान जो रूत के प्रति दयालु थे, उनके कुटुंब रक्षक में से एक थे। यह नाओमी के लिए बहुत अच्छी खबर थी। इससे उनके परमेश्वर के बारे में बात करने का तरीका बदल गया। उन्होंने अब परमेश्वर को उसे कष्ट देने वाला नहीं कहा। नाओमी ने पहचाना कि परमेश्वर उन्हें विश्वासयोग्य प्रेम और नम्रता दिखा रहे थे।

रूत 3:1–4:22

बोअज सबसे करीबी पुरुष रिश्तेदार नहीं थे जो रूत और नाओमी की मदद करने के लिए ज़िम्मेदार थे। लेकिन जो पुरुष उनके सबसे करीबी कुटुंबी रक्षक था, उसने अभी तक उनकी मदद करना शुरू नहीं किया था। नाओमी ने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग करके एक चतुर योजना बनाई। रूत ने नाओमी की योजना को पूरा किया। रूत ने साहसपूर्वक बोअज से उनके कुटुंब संरक्षक के रूप में कार्य करने के लिए कहा। बोअज़ ने रूत को ऐसा करने के लिए कहने के लिए आशीष दी। उसने किसी अन्य पुरुष रिश्तेदार के बजाय उन्हें चुनकर उस पर दया दिखाई। बोअज ने एक बुद्धिमानी और चतुर योजना बनाई और उन्हें तुरंत अंजाम दिया। सबसे करीबी परिवार संरक्षक नाओमी और रूत के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं बनना चाहता था। इससे बोअज को उनका परिवार संरक्षक बनने का मौका मिला। इससे उन्हें नाओमी की पारिवारिक भूमि को वापस खरीदने या पुनः प्राप्त करने का मौका मिला। इससे उन्हें रूत से विवाह करने का भी मौका मिला। पूरे समुदाय ने उनके विवाह को आशीष दी और रूत और बोअज से जन्मे पुत्र को भी आशीष दी। यहाँ तक कि रूत मोआब से थी, उन्हें परमेश्वर

रूत *3:1–4:22*

के लोगों का पूर्ण सदस्य माना गया। उनका पुत्र ओबेद रूत के पहले पति का नाम आगे बढ़ाएगा। नाओमी ने ओबेद की देखभाल की जैसे वह उसका अपना पुत्र हो। ओबेद राजा दाऊद का दादा बना। कुटुंब की वंशावली दिखती है कि दाऊद यहूदा, पेरेस और रूत के कुटुंब से आए थे। मत्ती का सुसमाचार दिखाता है कि यीशु भी इसी कुटुंबी वंश से आए थे (मत्ती 1:1–16)।